


21.02.2021 पत्रावली पेना गुड। अधिवक्ता मपीलांर गुप।
 अधिवक्ता मपीलांर ने बहस करते हुए
 निवेदन किया कि स्वयं मरिचि भूमि
 में पिता के जीवनकाल में नती
 उत्र को कोई अधिकार होता है मोर न
 ही कोई उत्री को अधिकार होता है
 तथा उत्र व उत्री के हिस्से को छोड़ने
 हुए पिताना हिस्सा पिता का बनना
 है बह हिस्सा उलका अविगत हिस्सा
 होता है जिसे बनने का अधिकार

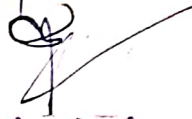
राजस जरील जी.पी.
 वाडने

उल्लेख पत्र को है कोर्टी नी व्यक्त
 गपने हिलते से अधिक से ~~व्यक्ति~~
 भूमि पर स्वयं गज करने का
 अधिकारी नहीं है। मधीनस्थ न्यायालय
 दावा मपीलांट को सुनवाई का
 अवसर नहीं दिया गया। मधीनस्थ
 न्यायालय दावा मपीलाधीन भादवा
 दस्तावेजात पर गौर किने बिना
 पपटि किया गया। मामला प्रथम
 इण्टरमा एवं सुबिधा का संतुलन
 मपीलांट के पक्ष में है। अतः
 मपील खीकाट कटाई जावे।
 मधिरव्वर मपीलांट की जमावती
 पर रजकपहीम नहय सुनी गई।
 मूल दावा मधीनस्थ न्यायालय
 के समक्ष विचारधीन है। उभयपक्षीकाट
 के हिसे का निष्ठाण मूल दावे
 के निष्ठाण पर ही संभव है।
 दावे के विचारण में रहते बादी।
 देखे. जो मोके से वेदखत किया
 जावा है तो मपूखीम हाति व्यक्ति
 होना संभाव्य है। मामला प्रथम
 इण्टरमा एवं सुबिधा का संतुलन
 देखे.। बादी के पक्ष में है। निहाला
 मपील खीली की जाती है तथा


 राजस्थान मपील अधिकारी
 बायमेर

स.जा. मधि. की धारा 225 में मन्तविक
 शक्ति का प्रयोग करते हुए मधीनस्थ
 मामल का मादेशित किया जाता है/क
 उच्चमण्डलालय का सुनवाई का प्रार
 केत हुए मूल गाँव का गिराण
 अधिकतम तीन माह में किया गया
 पगावली केवल शुभाल नरक के कम
 होकर काफ तबमील दायिल वफर
 ही मादेशा से इनसाथ मुनाय

ग म १



राजस्व अपील अधिकारी
 वाइमेर